नीलम रानी – व्याख्याता
विषय – गृह विज्ञान
बी.ए. पार्ट I Hons.
मानविकी एवं शिशु विकास
Date – 18.4.2020

बच्चों का संवेगात्मक विकास (Emotional Development)

संवेग क्या है ? व्यक्ति के जीवन में संवेगों का महत्वपूर्ण स्थान है। इसी से प्रेरित होकर मनुष्य अच्छे या बुरे किसी भी क्षेत्र में क्रियाशीलता का प्रदर्शन करता है।

भय, क्रोध, प्रेम, हर्ष, जिज्ञासा, चिन्ता, दुख, आनन्द आदि संवेग होते हैं। संवेग का सम्बन्ध मनुष्य के भावात्मक पक्ष से है।

बच्चों में जन्मोपरान्त से ही संवेगों का प्रदर्शन होता है। आयु बढ़ने के साथ-साथ संवेग व्यक्त व्यवहार अधिक विकसित होने लगता है। पहले बच्चे में उत्तेजना मात्र का ही ~~संवेगात्मक~~ की अभिव्यक्ति करता है। परन्तु धीरे-धीरे बड़ा होने पर उसकी संवेगात्मक अभिव्यक्ति में तीव्रता आ जाती है। 6 माह के उपरान्त अलग अलग से भावनात्मक संवेग उत्पन्न होने लगता है जैसे – भय या क्रोध। (बच्चे) 2 माह में एवं 10 माह से बच्चे में हर्ष की भावना पैदा होने लगती है।

बालकों के संवेग घर, परिवार, माता-पिता के व्यवहार एवं घर की सामाजिक आर्थिक स्थिति आदि अनेकानेक बातों से प्रभावित होती है। जब बच्चे स्कूल जाने लगते हैं तो शिक्षक, मित्र, साथी तथा स्कूल के वातावरण आदि का प्रभाव पड़ता है। माता-पिता से वंचित बच्चा जीवन भर कभी आनन्द नहीं रह पाता है।

बालकों के संवेगों की विशेषताएँ – बच्चों के संवेगों की निम्नलिखित विशेषताएं हैं। (1) बच्चे के संवेग लघु अवधि के होते हैं। कुछ सेकेण्ड और मिनटों में समाप्त हो जाते हैं।

(2) बच्चों के संवेग परिवर्तनशील होते हैं। जैसे हँसते हुए बालक की आँखों में तुरन्त आँसू आ जाते हैं। इसी प्रकार हर्ष और क्रोधित बालक तुरन्त शान्त होकर खेलने लगता है।

Officer

Scanned with CamScanner

3\. बालकों के संवेगों की पुनरावृत्ति अधिक होती है और थोड़ी देर पहले क्रोधित बालक तुरंत शान्त हो जाता है पुनः क्रोधित किसी चीज की कमी होने से फिर क्रोधित हो जाता है। इसी प्रकार रोता बालक हंसने लगता है फिर पुनः रो पड़ता है।

(4) बालकों के संवेगों में उग्रता अधिक होती है क्योंकि परिपक्वता की कमी होने से वे इन पर नियंत्रण नहीं कर पाते हैं। क्रोध के समय पैर पटकना, जमीन पर लोट जाना, सामानों को तोड़ना इत्यादि व्यवहार देखने को मिलते हैं।

(5) बालकों के संवेग अस्थायी रहते हैं। वे अपनी गलती का कारण दूसरों पर मढ़ देते हैं।

बचपन के कुछ सामान्य संवेग निम्नलिखित हैं— जैसे भय, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता, प्रेम और अनुराग, जिज्ञासा, इत्यादि।

Scanned with CamScanner